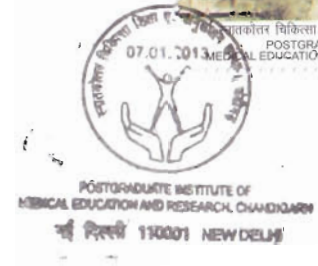


प्रथम दिवस आवरण First Day Cover



स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़
POSTGRADUATE INSTITUTE OF
MEDICAL EDUCATION AND RESEARCH, CHANDIGARH



POSTGRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL EDUCATION AND RESEARCH, CHANDIGARH

The Postgraduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER), Chandigarh owes its inception to the farsightedness of Pratap Singh Kairon, the then Chief Minister of the combined State of Punjab in 1960. The institute was formally inaugurated by Pt. Jawahar Lal Nehru on 7th July, 1963.

The broad objectives of the Institute were incorporated in an Act of the Parliament implemented on 1st April, 1967 when the Institute became an "Institute of National Importance". The administrative control of the institute then passed on to the autonomous body provided for the purpose in the Act.

PGIMER was first started as a hospital as it was felt that the hospital was the first requirement for the training of the clinical scientists. From 97,390 out-patient attendance and 2069 patients admitted to the various wards of the hospital in 1963-64, the number of patients has now risen to 18,14,277 out-patient attendance and 68,175 in patient admissions during 2011-12.

The first batch of postgraduate students was admitted to the Institute in 1963. Presently about 300 students qualify every year for their postgraduate degrees in most of the specialities and super-specialities of medicine, para-medical sciences and medical technology. In addition, the College of Nursing offers B.Sc., M.Sc. and Ph.D. courses in medical nursing.

The faculty of the Institute has recognized the

importance of medical research. On an average over 600 research papers embodying the results of clinical, experimental and field research are published annually. As per a recent report of German Research Foundation, PGIMER ranks second in the country in the field of medical research.

The reputation of medical institute depends a great deal in the manner in which 'emergencies' are dealt with. Right from its inception, the institute has concentrated on organization of an efficient emergency service in the hospital. This department is well planned and consists of comprehensive facilities for admission of patients, for undertaking surgical procedures and for resuscitation round the clock.

The Institute played a commendable role at the time of Indo-Pakistan conflicts of 1965 and 1971 when it put all its facilities at the disposal of the Army and medical teams worked round the clock to provide medical care to the injured.

The Institute continues to hold a premier position in medical education, research and clinical services and its alumni occupy prestigious positions in major hospitals, medical institutions and universities in India and abroad.

Department of Posts is happy to release a Postage Stamp to commemorate the Golden Jubilee Year of the Postgraduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh.

Credits:-

Text : Based on the material provided
by the proponent

Stamp/FDC

Cancellation : Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

50 वर्ष
YEARS

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़
POSTGRADUATE INSTITUTE OF
MEDICAL EDUCATION AND RESEARCH, CHANDIGARH



विवरणिका BROCHURE

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ (पीजीआईएमईआर) का प्रारंभ 1960 में पंजाब के संयुक्त राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो की दूरदर्शिता का परिणाम है। पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 7 जुलाई, 1963 को औपचारिक रूप से संस्थान का उद्घाटन किया गया था।

इस संस्थान के प्रमुख उद्देश्यों को 1 अप्रैल, 1967 को लागू संसद के अधिनियम में शामिल किया गया था, जब यह संस्थान "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" बना। उस समय इस संस्थान का प्रशासनिक नियंत्रण अधिनियम में इस उद्देश्य से बनाए गए स्वायत्त निकाय को अंतरित किया गया।

पीजीआईएमईआर को पहले एक अस्पताल के रूप में आरम्भ किया गया था क्योंकि यह महसूस किया गया कि क्लिनिकल वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण के लिए सबसे पहले अस्पताल की आवश्यकता थी। 1963-64 में 97,390 बाह्य रोगी थे तथा अस्पताल के विभिन्न वार्डों में 2069 मरीज भर्ती हुए थे। 2011-12 के दौरान अब बाह्य रोगियों की संख्या बढ़कर 18,14,277 हो गई है और 68,175 मरीजों की भर्ती की गई है।

संस्थान में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के पहले बैच को 1963 में दाखिला मिला था। वर्तमान में मेडिसिन, पैरा मेडिकल साइंसेज तथा मेडिकल टेक्नोलॉजी की अधिकांश स्पेसियलिटीज तथा सुपर स्पेसियलिटीज में अपनी स्नातकोत्तर उपाधियों के लिए प्रत्येक वर्ष लगभग 300 विद्यार्थी उत्तीर्ण होते हैं। इसके अतिरिक्त यह नर्सिंग कॉलेज मेडिकल नर्सिंग में बी.एससी, एम.एससी तथा पीएच.डी पाठ्यक्रम चलाता है।

संस्थान के संकाय ने चिकित्सा अनुसंधान के महत्व को पहचाना है। औसतन 600 से अधिक अनुसंधान पत्रों जिनमें क्लिनिकल, प्रायोगिक एवं क्षेत्रीय अनुसंधान शामिल होते हैं,

वार्षिक रूप में प्रकाशित किए जाते हैं। जर्मन रिसर्च फाउंडेशन की अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में पीजीआईएमईआर का देश में दूसरा स्थान है।

चिकित्सा संस्थान की ख्याति आपातकालीन दशाओं में कार्य करने के तरीकों पर निर्भर करती है। प्रारम्भ से ही संस्थान के अस्पताल में प्रभावी आपातकालीन सेवा प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। यह विभाग सुनियोजित है और इसमें रोगियों के दाखिले, शल्य चिकित्सा प्रक्रिया और चौबीसों घंटे जीवनरक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए व्यापक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

इस संस्थान ने 1965 एवं 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय में उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी। उस समय इस संस्थान की सारी सुविधाएं सेना की सेवा में उपलब्ध कराई गईं और चिकित्सा दलों ने घायलों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य किया।

इस संस्थान का चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान और क्लिनिकल सेवाओं में अग्रणी स्थान है और इसके छात्र भारत एवं विदेश में प्रमुख अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं।

डाक विभाग स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के स्वर्ण जयंती वर्ष की स्मृति में डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है।

आभार :-

विषय वस्तु : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री
डाक-टिकट / प्रथम दिवस आवरण
विरूपण : अलका शर्मा



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	:	7 जनवरी, 2013 7 January, 2013
मूल्यवर्ग Denomination	:	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps Printed	:	4.2 लाख* 0.42 Million*
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	:	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

* 1.1 लाख हजार प्रस्तावक हेतु।
* 0.11 million for the proponent.